

سُورَةُ النَّاصِرِ

Surah 110 — An-Nasr (Divine Support) · Medinan · 3 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ إِذَا جَاءَ نَصْرُ اللَّهِ وَالْفَتْحُ

ऐ रसूल जब खुदा की मदद आ पहुँचेगी

2

وَرَأَيْتَ النَّاسَ يَدْخُلُونَ فِي دِينِ اللَّهِ أَفْوَاجًا

और फतेह (मक्का) हो जाएगी और तुम लोगों को देखोगे कि गोल के गोल खुदा के दीन में दाखिल हो रहे हैं

3

فَسَبِّحْ بِحَمْدِ رَبِّكَ وَأَسْتَغْفِرْهُ ۖ إِنَّهُ كَانَ تَوَّابًا

तो तुम अपने परवरदिगार की तारीफ़ के साथ तसबीह करना और उसी से मग़फ़ेरत की दुआ माँगना वह बेशक बड़ा माफ़ करने वाला है